Media Scanning & Verification Cell

सत्यमेव जयते
Government of India

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
5452	12.08.2019	14.08.2019	**Budaun Uttar Pradesh**	Hari Bhumi Hindi Newspaper 12th August, 2019/Page No. 06
Title:	**32 children have lost their lives in district hospital Budaun, Uttar Pradesh**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Budaun, SSU-Uttar Pradesh			

बरसात के मौसम में बुखार संग डायरिया ने भी दिखाया प्रकोप

बदायूं महिला अस्पताल में 50 दिन में 32 बच्चों ने दम तोड़ा

एजेंसी ⏭ बदायूं

बरसात में डायरिया तथा बीमारी के कारण बदायूं महिला अस्पताल भी गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज की तरह चर्चा में हैं। यहां बीते 50 दिन में महिला जिला अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में 32 बच्चों की जान चली गई है।

बरसात के मौसम में बदायूं में बुखार के साथ अब डायरिया ने भी प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार को ब्लॉक दहगवां के बस्तोई गांव में डायरिया की चपेट में आकर एक भाई-बहन की मौत हो गई। इसके साथ ही गांव के अन्य बच्चे की भी डायरिया के कारण मौत हो गई है। गांव के धर्मवीर के बेटे कुलदीप (3) की शुक्रवार को अचानक हालत बिगड़ी थी। उसे उल्टी व दस्त होने लगे। परिवार के लोग कादराबाद गांव में एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को उनकी बेटी आशा (10) की भी उल्टी-दस्त के दौरान मौत हो गई। इसी परिवार के राजेश नाम के युवक को भी डायरिया के चलते डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया है। शनिवार को ही यहां पर दहगवां निवासी शरीफ मलिक की आठ महीने की बेटी शमायरा की डायरिया से मौत हुई है।

बिसौली क्षेत्र में बुखार का प्रकोप

बिसौली क्षेत्र में बुखार से प्रकोप से एक मासूम और एक किशोरी की मौत हो गई। इधर, दो दर्जन से अधिक लोग अभी भी बुखार की चपेट में है। गांव जैतपुर में 17 वर्षीय वैष्णवी पुत्री राजीव शर्मा पिछले छह दिन से मलेरिया की चपेट में थी। शुक्रवार को वैष्णवी ने दम तोड़ दिया। इस गांव में बुखार से एक दर्जन बच्चे बीमार हैं। गांव वालों का कहना है कि गांव में चारों ओर घूर पड़े हैं। इसके कारण संक्रामक रोग पनप रहे हैं। इधर, गांव मई में बुखार की चपेट में आने पर धर्मदास जाटव का नौ वर्षीय पुत्र अरूण ने दम तोड़ दिया। उसका भाई वरूण भी बुखार की चपेट में है। अरूण को भी तीन दिनों से बुखार आ रहा था।

इस गांव में भी एक दर्जन बच्चे बुखार की चपेट में हैं। गांव में सोनू, राकेश, प्रदीप और पप्पू आदि बच्चे गंभीर रूप से बीमार हैं।

गंभीर बीमारी के कारण हुई मौतें

सीएमओ बदायूं डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि जिन बच्चों को एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था, उनमें गंभीर बीमारियां थीं और उनके बचने की संभावना कम थी।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029

Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बरसात के मौसम में बुखार संग डायरिया ने भी दिखाया प्रकोप

बदायूं महिला अस्पताल में 50 दिन में 32 बच्चों ने दम तोड़ा

एजेंसी ▶▶| बदायूं

बरसात में डायरिया तथा बीमारी के कारण बदायूं महिला अस्पताल भी गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज की तरह चर्चा में हैं। यहां बीते 50 दिन में महिला जिला अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में 32 बच्चों की जान चली गई है।

बरसात के मौसम में बदायूं में बुखार के साथ अब डायरिया ने भी प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार को ब्लॉक दहगवां के बस्तोई गांव में डायरिया की चपेट में आकर एक भाई-बहन की मौत हो गई। इसके साथ ही गांव के अन्य बच्चे की भी डायरिया के कारण मौत हो गई है। गांव के धर्मवीर के बेटे कुलदीप (3) की शुक्रवार को अचानक हालत बिगड़ी थी। उसे उल्टी व दस्त होने लगे। परिवार के लोग कादराबाद गांव में एक निजी चिकित्सक के पास ले

गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को उनकी बेटी आशा (10) की भी उल्टी-दस्त के दौरान मौत हो गई। इसी परिवार के राजेश नाम के युवक को भी डायरिया के चलते डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया है। शनिवार को ही यहां पर दहगवां निवासी शरीफ मलिक की आठ महीने की बेटी शमायरा की डायरिया से मौत हुई है।

बिसौली क्षेत्र में बुखार का प्रकोप

बिसौली क्षेत्र में बुखार से प्रकोप से एक मासूम और एक किशोरी की मौत हो गई। इधर, दो दर्जन से अधिक लोग अभी भी बुखार की चपेट में है। गांव जैतपुर में 17 वर्षीय वैष्णवी पुत्री राजीव शर्मा पिछले छह दिन से मलेरिया की चपेट में थी। शुक्रवार को वैष्णवी ने दम तोड़

गंभीर बीमारी के कारण हुई मौतें

सीएमओ बदायूं, डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि जिन बच्चों को एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था, उनमें गंभीर बीमारियां थीं और उनके बचने की संभावना कम थी।

दिया। इस गांव में बुखार से एक दर्जन बच्चे बीमार हैं। गांव वालों का कहना है कि गांव में चारों ओर घूर पड़े हैं। इसके कारण संक्रामक रोग पनप रहे हैं। इधर, गांव मई में बुखार की चपेट में आने पर धर्मदास जाटव का नौ वर्षीय पुत्र अरूण ने दम तोड़ दिया। उसका भाई वरूण भी बुखार की चपेट में है। अरूण को भी तीन दिनों से बुखार आ रहा था।

इस गांव में भी एक दर्जन बच्चे बुखार की चपेट में हैं। गांव में सोनू, राकेश, प्रदीप और पप्पू आदि बच्चे गंभीर रूप से बीमार हैं।